अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवम् 16 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 16 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं. | | | | | | | | | | | | |

गूढसंख्या
कोड नं. **67/S/A**

स्तबकः/सेट **A**

BHARATIYA DARSHAN

भारतीयदर्शनम्

भारतीय दर्शन

(247)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) 1. ____________________

2. ____________________

सामान्या निर्देशाः/सामान्य निर्देश :

1. सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि दत्तोत्तरपुस्तके एव लिखन्तु।
   सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
2. प्रश्नपत्रिकां पठितुं 15 निमेशाः दत्ताः। प्रश्नपत्रिका 02.15 मध्याह्ने समये दीयते। 02.15 समयतः 02.30 समयपर्यन्तं प्रश्नपत्रिकामेव छात्राः पठेयुः, एतस्मिन् समये उत्तरपत्रिकायां न किमपि उत्तरं लिखेयुः।
   इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
3. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
   प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
4. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
   प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
5. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
   वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।
6. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।
7. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
   उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखना सर्वथा वर्जित है।
8. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 67/S/A-A नूनं लेख्या।
   अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं. 67/S/A-A अवश्य लिखें।
9. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

BHARATIYA DARSHAN
भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(247)

परीक्षासमयावधिः (Time) : होरात्रयम् (3 Hrs.)] **[पूर्णाङ्काः (Full Marks) : 100**

निर्देशाः (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **20**, **[B]** भागे **15**, **[C]** भागे **6**, **[D]** भागे **6**, **[E]** भागे **4**, इति आहत्य **51** प्रश्नाः सन्ति।

(ii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः x प्रश्नाः=पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

(iii) **समे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।

(iv) **A** भागे प्र.सं. **1** तः **20** पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकं **एकः** अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु। एतेषु केषुचित् प्रश्नेषु आन्तरिकः विकल्पः प्रदत्तः अस्ति। एतादृशेषु प्रश्नेषु दत्तविकल्पेषु एकस्य एव प्रयासः करणीयः।

(v) **B** भागे प्र.सं. **21** तः **35** पर्यन्तं वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्-असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः **अङ्कद्वयात्मक** अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

(vi) **C** भागे प्र.सं. **36** तः **41** पर्यन्तं अतिलघुत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं **अङ्कद्वयात्मकाः** सन्ति। ते यथानिर्देशं **30** तः **50** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(vii) **D** भागे प्र.सं. **42** तः **47** पर्यन्तं अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं **अङ्कत्रयात्मकाः** सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** तः **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(viii) **E** भागे प्र.सं. **48** तः **51** पर्यन्तं दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं **पञ्च** अङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** तः **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेखनीयानि।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेखनीया।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् तथा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेखनीयानि।

(xiii) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेखनीयः।

निर्देश : (i) इस प्रश्नपत्र में **[A]** विभाग में **20**, **[B]** विभाग में **15**, **[C]** विभाग में **6**, **[D]** विभाग में **6**, **[E]** विभाग में **4**, कुल मिलाकर **51** प्रश्न हैं।

(ii) हर एक प्रश्न के दायें भाग में अङ्कों में (अङ्क x प्रश्न = पूर्णांक) पूर्णाङ्कों को दिखाता है।

(iii) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** है।

(iv) **[A] विभाग** में प्रश्न संख्या **1** से **20** तक बहुविकल्प प्रकार के (MCQs) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **एक** अङ्क निर्धारित है। इनमें से चारों वैकल्पिक उत्तरों में से **सर्वाधिक उपयुक्त** उत्तर को चुन के लिखना चाहिए। कुछ प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प दिये हैं। इस तरह के प्रश्नों में एक ही प्रश्न का उत्तर लिखना है।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(v) [B] **विभाग** में प्रश्न संख्या **21 से 35** तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान या सत्य-असत्य आदि है। प्रत्येक प्रश्न **दो दो** अङ्कों के हैं। सूचनानुसार उत्तर लिखना है।

(vi) [C] **विभाग** में प्रश्न संख्या **36** से **41** तक अति लघूत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **दो दो** अङ्कों के हैं। सूचनानुसार शब्द **30** से **50** के सीमा में उत्तर लिखना है।

(vii) [D] **विभाग** में **प्रश्न संख्या 42 से 47** तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **3** अङ्कों के हैं। निर्देशानुसार **50 से 80** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना है।

(viii) [E] **विभाग** में प्रश्न संख्या **48 से 51** तक दीर्घोत्तर प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **5** अंङ्कों के हैं। निर्देशानुसार **80 से 100** शब्दों के अन्दर उत्तर लिखना है।

(ix) सभी प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में ही लिखना है।

(x) अपने उत्तर-पत्र में प्रश्नपत्र का गूढ़संख्या अवश्य लिखना है।

(xi) उत्तर पत्रिका में आत्मपरिचयात्मक चिह्न, निर्दिष्ट स्थान को छोड़कर अन्यत्र कहीं भी अनुक्रमाङ्कादि लिखना सर्वथा निषिद्ध है।

(xii) सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

(xiii) ध्यान से देखो और समझो कि प्रश्न-पत्र के पृष्ठ संख्या, प्रश्न संख्या, प्रथम पृष्ठ के आरम्भ में दिये गये संख्या समान है या नहीं। प्रश्नों के क्रम संख्या सही है या नहीं।

(xiv) प्रश्न-पत्र के ''क्रम संख्या'' प्रथम पृष्ठ में अवश्य लिखना है।

[A] प्रश्नसङ्ख्या 1 - 20 बहुविकल्पप्रश्नाः सन्ति येषां कृते 20 अङ्काः आवंटिताः भवन्ति। **20x1=20**

प्रश्न संख्या 1 - 20 तक बहुविकल्पी प्रश्न हैं जिनके लिए 20 अंक निर्धारित किए गए हैं।

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु। **1**

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) कामस्य साक्षात् कारणं किमस्ति।

(क) विषयः (ख) इन्द्रियं (ग) धर्मः (घ) कर्म

इच्छा का प्रत्यक्ष कारण क्या है?

(क) विषय (ख) इन्द्रियम् (ग) धर्म (घ) कर्म

(ब) सर्वेषां जीवानां अनुकूलत्वेन वेदनीयं किम्।

(क) दुःखम् (ख) सुखम् (ग) क्लेशः (घ) मोक्षः

सभी जीवों के अनुकूल होने पर भी क्या दुखदायी है?

(क) दुख (ख) सुख (ग) क्लेश (घ) मोक्ष

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

2. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु।** **1**

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) योगदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य नाम किम्।

(क) समाधिः (ख) साधनम् (ग) विभूतिः (घ) कैवल्यम्

योगदर्शन के प्रथम अध्याय का क्या नाम है?

(क) समाधि (ख) साधन (ग) विभूति (घ) कैवल्यम्

(ब) योगस्थः कुरु कर्माणीति कुत्र वर्तते।

(क) भागवते (ख) भगवद्गीतायाम् (ग) उद्धवगीतायाम् (घ) गुरुगीतायाम्

कर्म करने को कहनेवाला योगी कहाँ है?

(क) भागवत में (ख) भगवतगीता में (ग) उद्धगीता में (घ) गुरुगीता में

3. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु।** **1**

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) सदानन्दयोगीन्द्रेण परम्परासम्बद्धं व्याख्यानं किम्।

(क) विद्वन्मनोरमा (ख) बालमनोरमा

(ग) वेदान्तसारः (घ) विद्वन्मनोरञ्जिनी

सदानंद योगी की परंपरा से संबंधित व्याख्यान् क्या है/कौन सा है?

(क) विद्वत् मनोरमा (ख) बाल मनोरमा

(ग) वेदान्तसार (घ) विद्वत् मनोरंजिनी

(ब) बोधगयायां स्वप्रथमोपदेशं कः कृतवान्।

(क) शङ्कराचार्यः (ख) गौतमबुद्धः (ग) व्यासः (घ) कणादः

बोधगया में किसने अपना प्रथम उपदेश दिया?

(क) शंकराचार्य (ख) गौतमबुद्ध (ग) व्यास (घ) कणाद

4. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु।** **1**

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) संस्कारः कतिविधः।

(क) पञ्च (ख) षट् (ग) त्रि (घ) द्वि

संस्कार कितने हैं?

(क) पाँच (ख) छह (ग) तीन (घ) दो

(ब) कस्य दर्शनस्य आचार्याः तीर्थङ्कराः भवन्ति।

(क) जैनदर्शनस्य (ख) चार्वाकदर्शनस्य

(ग) बौद्धदर्शनस्य (घ) शङ्करदर्शनस्य

किस दर्शन के आचार्य तीर्थंकर हुए?

(क) जैन दर्शन के (ख) चार्वाक दर्शन के

(ग) बौद्ध दर्शन के (घ) शंकर दर्शन के

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

5. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु।** 1

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) सर्वेषाम् उपनिषदां तात्पर्यं कुत्र।

(क) जीवे (ख) ब्रह्मणि (ग) ईश्वरे (घ) हिरण्यगर्भे

सभी उपनिषदों का अर्थ कहाँ है?

(क) जीव में (ख) ब्रह्म में (ग) ईश्वर में (घ) हिरण्यगर्भ में

(ब) बौद्धदर्शनस्य प्रचार: कस्यां भाषायामासीत्।

(क) पाली (ख) संस्कृतम् (ग) कोङ्गिणी (घ) हिन्दी

बौद्धदर्शन का प्रचार किस भाषा में हुआ था?

(क) पाली (ख) संस्कृत (ग) कोङ्गिणी (घ) हिन्दी

6. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु।** 1

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) अद्वैतमते ब्रह्मण: सत्ता का।

(क) पारमार्थिकी (ख) व्यावहारिकी

(ग) प्रातिभासिकी (घ) एत्रित्रयभिन्ना

अद्वैत मत के अनुसार ब्रह्म की सत्ता कैसी/क्या है?

(क) पारमार्थिकी (परमार्थ की) (ख) व्यावहारिकी (व्यवहार की)

(ग) प्रातिभासिकी (चिंतनशील) (घ) इन तीनों से भिन्न

(ब) अचिन्त्यभेदाभेदस्य प्रवर्तक: क:।

(क) निम्बार्क: (ख) बलदेव: (ग) मध्व: (घ) रामुनुज:

'अचिन्त्यभेदाभेद' के प्रवर्तक कौन थे?

(क) निम्बार्क (ख) बलदेव (ग) मध्व (घ) रामुनुज

7. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु।** 1

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) तदभाववति तत्प्रकारको अनुभव: क:।

(क) यथार्थ: (ख) अयथार्थ: (ग) प्रमा (घ) आरोप:

उसके अभाव प्राप्त ज्ञान अनुभव कैसा/क्या है?

(क) यथार्थ (ख) अयथार्थ (ग) प्रमा (घ) आरोप

(ब) समष्टिस्थूलशरीरोपहितं चैतन्यं किम्।

(क) प्राज्ञ: (ख) तैजस: (ग) विराट् (घ) हिरण्यगर्भ:

समस्त स्थूल शरीर में निहित चेतना क्या है?

(क) प्राज्ञ (ख) तैजस (ग) विराट् (घ) हिरण्यगर्भ

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

8. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु।** **1**

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) तत्त्वमसीति वाक्यं कस्यामुपनिषदि।

(क) मुण्डके (ख) छान्दोग्ये (ग) कठे (घ) केने

'तत्वमसि' यह कथन किस उपनिषद का है?

(क) मुण्डक (ख) छान्दोग्ये (ग) कठे (घ) केन

(ब) परापराधप्राप्तौ अविक्रिया भवति का।

(क) शान्तिः (ख) क्षान्तिः (ग) अहिंसा (घ) भक्तिः

दूसरे का अपराध स्वीकार करने में अप्रतिक्रिया क्या है?

(क) शान्ति (ख) सहनशीलता (ग) अहिंसा (घ) भक्ति

9. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु।** **1**

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) विवरणकारमतानुयायिनां वादः कः।

(क) अवच्छेदवादः (ख) प्रतिबिम्बवादः (ग) आभासवादः (घ) सत्यवादः

विवरणकर्त्ता (कथावाचक) के मत पर अनुयायियों का क्या तर्क था?

(क) अवच्छेदवाद (ख) प्रतिबिम्बवाद (ग) आभासवाद (घ) सत्यवाद

(ब) क्लेशकर्मविपाकशैरपरामृष्टः पुरुषविशेषः कः।

(क) जीवः (ख) हिरण्यगर्भः (ग) ईश्वरः (घ) प्राज्ञः

क्लेश कार्य के परिणामों के जहर से कौन प्रभावित होता है?

(क) जीव (ख) हिरण्यगर्भ (ग) ईश्वर (घ) प्राज्ञ

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

10. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु।** 1

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) तात्पर्यनिर्णायकानि लिङ्गानि कति।

(क) सप्त (ख) अष्ट (ग) पञ्च (घ) षट्

अर्थ निर्धारित करने वाले लिंग कितने हैं?

(क) सात (ख) आठ (ग) पाँच (घ) छह

(ब) देहस्य रक्षणं मोक्षं प्रति साधनमिति कस्य वादः।

(क) बौद्धस्य (ख) जैनस्य (ग) चार्वाकस्य (घ) मीमांसकस्य

शरीर की रक्षा ही मोक्ष का साधन है, किसका मत है?

(क) बौद्ध का (ख) जैन का (ग) चार्वाक का (घ) मीमांसा का

11. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु।** 1

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) मानवव्यवहारस्य असाधारणं कारणं किम्।

(क) सङ्ख्या (ख) गुणः (ग) परिमाणम् (घ) द्रव्यम्

मानव व्यवहार के असाधारण का कारण क्या है?

(क) संख्या (ख) गुण (ग) परिमाण (घ) द्रव्य

(ब) अद्वैतिनां मते शुक्तिरजतस्य सत्ता का।

(क) अबाध्यमाना (ख) प्रातिभासिकी (ग) व्यावहारिकी (घ) पारमार्थिकी

अद्वैतवादियों के मत में शुक्तिरजत (सीप-चाँदी) की सत्ता क्या/कैसी है?

(क) अबाध्यमाना (ख) प्रातिभासिकी (ग) व्यावहारिकी (घ) पारमार्थिकी

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

12. कण्डकादिजन्यं दु:खमेव क:। **1**

(क) स्वर्ग: (ख) नरक: (ग) मोक्ष: (घ) भूतल:

कण्टक (काँटा) आदि से होने वाला दुख क्या है?

(क) स्वर्ग (ख) नरक (ग) मोक्ष (घ) भूतल

13. विशिष्टाद्वैतरीत्या जीव: कीदृश:। **1**

(क) अणु: (ख) स्थूल: (ग) सूक्ष्म: (घ) विभु:

'विशिष्टाद्वैतरीति' के अनुसार जीव कैसा है?

(क) अणु (ख) स्थूल (ग) सूक्ष्म (घ) विभु

14. अयं महापुरुष अहिंसां उपदिदेश, क:। **1**

(क) शङ्कर: (ख) रामानुज: (ग) बुद्ध: (घ) मध्व:

किस महापुरुष ने अहिंसा का उपदेश दिया?

(क) शंकर (ख) रामानुज (ग) बुद्ध (घ) मध्व

15. काले कति सामान्यगुणा: सन्ति। **1**

(क) 5 (ख) 6 (ग) 8 (घ) 4

काल के सामान्य गुण कितने होते है?

(क) 5 (ख) 6 (ग) 8 (घ) 4

16. तत्र निरपेक्ष: रव: भवति। **1**

(क) श्रुति: (ख) लिङ्गम् (ग) वाक्यम् (घ) प्रकरणम्

'जो प्रमाण द्वारा अपेक्षित नहीं है।' वह क्या है?

(क) श्रुति (ख) लिंग (ग) वाक्य (घ) प्रकरण

17. तर्काभाषा कस्याचार्यस्य भवति। **1**

(क) वल्लभाचार्यस्य (ख) केशवमिश्रस्य (ग) अन्नंभट्टस्य (घ) प्रगल्भाचार्यस्य

तर्काभाषा किस आचार्य की है?

(क) वल्लभाचार्य की (ख) केशवमिश्र की (ग) अन्नंभट की (घ) प्रगल्भाचार्य की

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

18. सैन्धवशब्दार्थ: लवणमिति – 1

(क) भोजनप्रकरणे (ख) स्नानप्रकरणे (ग) चिकित्साप्रकरणे (घ) युद्धप्रकरणे

सैन्धव शब्द का लवण (नमक) किसके संदर्भ में है?

(क) भोजन के (ख) स्नान के (ग) चिकित्सा के (घ) युद्ध प्रकरण के

19. सन्तानवाद: कस्य मते अस्ति। 1

(क) चार्वाकमते (ख) बौद्धमते (ग) जैनमते (घ) न्यायमते

सन्तानवाद किसका मत है?

(क) चार्वाक का (ख) बौद्ध का (ग) जैन का (घ) न्यायमत का

20. बौद्धदर्शनोक्ते आर्यसत्यचतुष्टये इदं नान्तर्भवति। 1

(क) दु:खं (ख) दु:समुदय:

(ग) दु:खनिरोध: (घ) दु:खविरोध:

बौद्ध दर्शन में वर्णित चार आर्य सत्यों में से इनमें से **नहीं** है –

(क) दुख (ख) दुख से उत्पन्न

(ग) दुख का निरोध (निषेध) (घ) दुख का विरोध

[B] प्रश्नसङ्ख्या 21 - 35 वस्तुनिष्ठप्रश्ना: सन्ति। प्रत्येक: प्रश्न: द्वयो: अङ्कयो: भवति, तदर्थं 30 अङ्का: आवंटिता: भवन्ति। 15x2=30

(21 - 35) तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक निर्धारित है। कुल अंकों की संख्या 30 है।

21. अधोलिखितेषु त्रिषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि द्वयो: उत्तरं ददातु। 2

(अ) ऋग्वेदीयं कर्म _________ करोति

(ब) सामवेदीयं कर्म _________ करोति

(स) बौद्धमते _________ न प्रमाणम्

निम्नलिखित तीन रिक्त स्थानों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

(अ) ऋग्वेद इस कर्म _________ करता है।

(ब) सामवेद इस कर्म _________ करता है।

(स) बौद्धमत में _________ प्रमाण नहीं है।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

22. अधोलिखितेषु त्रिषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि द्वयोः उत्तरं ददातु। 2

(अ) औद्गात्रप्रयोगः _________ सम्बद्धः

(ब) गौतमबुद्धस्य पितुः नाम _________

(स) महावीरस्य पितुः नामान्तरं _________

निम्नलिखित तीन रिक्त स्थानों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

(अ) औद्गात्र प्रयोग _________ संबंधित है।

(ब) गौतमबुद्ध के पिता का नाम _________

(स) महावीर के पिता का नाम _________

23. अधोलिखितेषु त्रिषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि द्वयोः उत्तरं ददातु। 2

(अ) अष्टाध्याय्यां _________ पादाः

(ब) वामनपुराणे _________ श्लोकाः

(स) _________ मते परलोकः नास्ति

निम्नलिखित तीन रिक्त स्थानों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

(अ) अष्टाध्याय में _________ पद हैं।

(ब) वामण पुराण में _________ श्लोक हैं।

(स) _________ मत में परलोक नहीं है।

24. अधोलिखितेषु त्रिषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि द्वयोः उत्तरं ददातु। 2

(अ) कर्ममीमांसायां _________ अध्यायाः

(ब) जैमिनिमते परमपूरुषार्थः _________

(स) आन्वीक्षिक्यां आस्तिकान्तर्गतं _________ नास्ति

निम्नलिखित तीन रिक्त स्थानों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

(अ) कर्ममीमांसा में _________ अध्याय हैं।

(ब) जैमिनि मत में परम पूरुषार्थ है _________।

(स) आन्वीक्षिकी विद्या के अंतर्गत _________ नहीं है।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

25. अधोलिखितेषु त्रिषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि द्वयोः उत्तरं ददातु। **2**

(अ) शारीरकमीमांसायाः प्रथमाध्यायस्य नाम _________

(ब) मन्त्रांशं विहाय वेदस्य अवशिष्टः भागः _________

(स) अन्येन प्रमाणेन सिद्धमेव अर्थं यद् वेदवाक्यं बोधयति तत् _________

निम्नलिखित तीन रिक्त स्थानों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

(अ) शारीरक मीमांसा के प्रथम अध्याय का नाम _________ है।

(ब) मंत्र अंश (भाग) को छोड़कर वेद का शेष भाग है _________।

(स) अन्य अर्थ के प्रमाण से सिद्ध होने वाला वेदवाक्य जो जाना जाता है _________।

26. अधोलिखितेषु त्रिषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि द्वयोः उत्तरं ददातु। **2**

(अ) रामायणस्य चतुर्दशसु विद्यासु _________ अन्तर्भावः

(ब) सामवेदे _________ उपनिषदः

(स) _________ शब्देन उपनिषत् अभिधीयते

निम्नलिखित तीन रिक्त स्थानों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

(अ) रामायण की चौदह विद्याओं में _________ अन्तर्भाव हैं।

(ब) सामवेद में _________ उपनिषद हैं।

(स) _________ शब्द से उपनिषद संदर्भित करता है।

27. अधोलिखितेषु त्रिषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि द्वयोः उत्तरं ददातु। **2**

(अ) तैत्तिरीये _________ वल्लयः

(ब) जन्माद्यस्य यतः इत्यत्र ब्रह्मणः _________ लक्षणम्

(स) कृष्णयजुर्वेदे _________ उपनिषदः

निम्नलिखित तीन रिक्त स्थानों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

(अ) तैत्तिरीय में _________ वल्लय है।

(ब) 'जन्माद्यस्य यतः' इस ब्रह्म सूत्र _________ लक्षण हैं।

(स) कृष्ण यजुर्वेद में _________ उपनिषद हैं।

28. अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु उचितम् उत्तरं ददातु। **2**

(अ) ब्रह्मणः शास्त्रप्रमाणकत्वं _________ सूत्रेण समर्थ्यते

(ब) ब्रह्मसूत्रग्रन्थे अन्तिमाध्यायः _________

निम्नलिखित रिक्त स्थान के लिए उचित उत्तर दीजिए।

(अ) ब्रह्म की शास्त्र प्रमाणिकता _________ सूत्रेण से सिद्ध होती है।

(ब) ब्रह्मसूत्र ग्रन्थ का अन्तिम अध्याय _________ है।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

29. अधोलिखितेषु वाक्येषु यथोचितं सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(अ) समन्वयाध्याये प्रथमपादः स्पष्टब्रह्मलिङ्गश्रुतिसमन्वयाख्यः (सत्यम्/असत्यम्)

(ब) समन्वयाध्याये द्वितीयपादः अस्पष्टब्रह्मलिङ्गश्रुतिसमन्वयाख्यः (सत्यम्/असत्यम्)

निम्नलिखित वाक्यों में सत्य और असत्य वाक्य चुनिए।

(अ) समन्वय अध्याय का प्रथम पद (चरण) 'स्पष्टब्रह्मलिंगश्रुतिसमन्वयाख्य' है। (सत्य/असत्य)

(ब) समन्वय अध्याय का दूसरा पद (चरण) 'अस्पष्टब्रह्मलिंगश्रुतिसमन्वयाख्य' है। (सत्य/असत्य)

30. अधोलिखितेषु वाक्येषु यथोचितं सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(अ) भगवद्गीता श्रीकृष्णविरचिता। (सत्यम्/असत्यम्)

(ब) गीता महाभारते शान्तिपर्वणि। (सत्यम्/असत्यम्)

निम्नलिखित वाक्यों में सत्य और असत्य वाक्य चुनिए (पहचानिए)।

(अ) भगवद्गीता श्रीकृष्ण ने लिखी। (सत्य/असत्य)

(ब) शान्ति पर्व गीता महाभारत में है। (सत्य/असत्य)

31. अधोलिखितेषु वाक्येषु यथोचितं सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(अ) न स पुनरावर्तते छान्दोग्ये। (सत्यम्/असत्यम्)

(ब) अर्जुनेन 132 श्लोकाः निगदिताः। (सत्यम्/असत्यम्)

निम्नलिखित वाक्यों में सत्य और असत्य वाक्य चुनिए।

(अ) 'न स पुनरावर्तते छान्दोग्ये' है। (सत्य/असत्य)

(ब) अर्जुन से (ने) 132 श्लोक सुनाए (गए)। (सत्य/असत्य)

32. अधोलिखितानां यथोचितं मेलनं कुर्वन्तु। **2**

(अ) सम्यक्	(1) बौद्धदर्शनम्
(ब) सारानाथम्	(2) तीर्थस्थानम्

निम्नलिखित में उचित मिलान कीजिए।

(अ) सम्यक्	(1) बौद्धदर्शनम्
(ब) सारानाथम्	(2) तीर्थस्थानम्

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

33. अधोलिखितानां यथोचितं मेलनं कुर्वन्तु। **2**

(अ)	मार्कण्डेयपुराणम्	(1)	18000 श्लोकाः
(ब)	नारदपुराणम्	(2)	9000 श्लोकाः
		(3)	25000 श्लोकाः

निम्नलिखित में उचित मिलान कीजिए।

(अ)	मार्कण्डेयपुराणम्	(1)	18000 श्लोकाः
(ब)	नारदपुराणम्	(2)	9000 श्लोकाः
		(3)	25000 श्लोकाः

34. अधोलिखितानां यथोचितं मेलनं कुर्वन्तु। **2**

(अ)	वैशेषिकसूत्रग्रन्थे प्रथमाध्याये	(1)	द्रव्यलक्षणम्
(ब)	वैशेषिकसूत्रग्रन्थे द्वितीयाध्याये	(2)	कालनिरूपणम्
		(3)	धर्मलक्षणम्

निम्नलिखित में उचित मिलान कीजिए।

(अ)	वैशेषिकसूत्र ग्रन्थे प्रथमाध्याये	(1)	द्रव्यलक्षणम्
(ब)	वैशेषिकसूत्र ग्रन्थे द्वितीय अध्याये	(2)	कालनिरूपणम्
		(3)	धर्मलक्षणम्

35. अधोलिखितानां यथोचितं मेलनं कुर्वन्तु। **2**

(अ)	व्योमवतीग्रन्थस्य कर्ता	(1)	वल्लभाचार्यः
(ब)	न्यायलीलावतीकर्ता	(2)	निम्बार्काचार्यः
		(3)	व्योमशिवाचार्यः

निम्नलिखित में उचित मिलान कीजिए।

(अ)	व्योमवती ग्रन्थ के कर्ता	(1)	वल्लभाचार्यः
(ब)	न्याय लीलावती ग्रन्थ के कर्त्ता	(2)	निम्बर्काचार्यः
		(3)	व्योमशिवाचार्यः

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[C] **षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशं लघूनि उत्तराणि लिखत।** **6x2=12**

निर्देशानुसार छह प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए।

36. ब्रह्मसूत्रे कति अध्यायाः ? के च ते ? **2**

ब्रह्मसूत्र में कितने अध्याय हैं और वे कौन-से हैं ?

अथवा

न्यायानुसारं उपमानं किम् ? उपमितिश्च का ?

न्याय के अनुसार उपमान क्या है और उपमिति (सादृश्य) क्या है ?

37. कर्मकाण्डदिशा कर्म कतिविधम् ? किम् तत् ? **2**

कर्मकाण्ड के अनुसार कर्म कितने प्रकार के हैं और कौन-से हैं ?

अथवा

किन्नाम नित्यं कर्म ? उदाहरणं किम् ?

नित्य कर्म के क्या नाम हैं ? किसी का उदाहरण दीजिए ?

38. श्रीकृष्णोक्ताः भक्ताः कतिविधाः ? के च ते ? **2**

श्रीकृष्ण के अनुसार भक्तों के कितने प्रकार हैं और वे कौन-से हैं ?

अथवा

भागवतोक्ता भक्तिः कतिवधा ? तत्र यथेच्छं पञ्च लिखत।

भागवत में वर्णित भक्ति कितने प्रकार की है ? उनमें से अपनी इच्छानुसार पाँच के नाम लिखिए।

39. उपवेदाः कति ? के च ते ? **2**

उपवेद कितने हैं और कौन-से हैं ?

40. किन्नाम प्रायश्चित्तं कर्म ? तस्य उदाहरणञ्च किम् ? **2**

प्रायश्चित कर्म के क्या नाम हैं ? किसी का उदाहरण दीजिए।

41. उत्पत्तिविधेः किं लक्षणम् ? विनियोगविधेः किं लक्षणम् ? **2**

उत्पत्तिविधि के क्या लक्षण हैं ? विनियोग विधि के क्या लक्षण हैं ?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[D] षण्णां प्रश्नानां अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त। **6x3=18**

छह प्रश्नों के दीर्घ उत्तर लिखिए।

42. विद्यानां तात्पर्यं विचारयत। **3**

विद्या के तात्पर्य (आशय) पर विचार कीजिए।

43. विशेषाध्यारोपनिरासं समर्थयत। **3**

विशेष अध्यारोप निरास का समर्थन (वर्णन) कीजिए।

44. पञ्चहेत्वाभासानां परिचयं कुरुत। **3**

पाँच हेतु आभास का परिचय दीजिए।

45. साङ्ख्यदर्शनसम्मतं प्रकृतितत्त्वं वर्णयत। **3**

सांख्यदर्शन स्वीकृत प्रकृतितत्व का वर्णन कीजिए।

अथवा

मीमांसादर्शनस्य प्रामाण्यविचारं कुरुत।

मीमांसादर्शन की प्रामाणिकता पर विचार कीजिए।

46. वैशेषिकाभिमतं अभावपदर्थं विशदयत। **3**

वैशेषिक के मत में अभाव पदर्थ का वर्णन कीजिए।

अथवा

साङ्ख्योक्तप्रकृतिसत्वे प्रमाणचिन्तनं कुरुत।

सांख्य में व्यक्त (वर्णित) प्रकृति स्वरूप के प्रमाण पर चिंतन कीजिए।

47. नवद्रव्याणां सलक्षणं विचारं कुरुत। सामान्यपदार्थविचारं कुरुत। **3**

नवद्रव्यों पर लक्षण सहित विचार कीजिए। सामान्य पदार्थों (के विषय) पर (में) विचार कीजिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[E] **चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः।** **4x5=20**

चार अतिदीर्घ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

48. दर्शनानां साम्यवैषम्ये विचारयत। **5**

दर्शनों की समानता और असमानता पर विचार कीजिए।

49. न्यायदर्शनोक्तं प्रत्यक्षप्रमाणं विचारयत। **5**

न्यायदर्शन में व्यक्त प्रत्यक्ष प्रमाण के विषय में विचार कीजिए।

50. वेदान्तोक्तं श्रवणं किमिति प्रतिपादयत। **5**

वेदान्त में वर्णित श्रवण क्या है, प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

मनननिदिध्यासनयोः विस्तृतां टिप्पणीं कुरुत।

मनन निदिध्यासन पर विस्तृत टिप्पणी कीजिए।

51. अद्वैतदिशा मोक्षं प्रति बहिरङ्गसाधनानि आलोचयत। **5**

अद्वैतवाद के मोक्ष के बहिरंग साधन (परंपरा साधन) की आलोचना कीजिए।

अथवा

गीतोक्तं ध्यानयोगसारं लिखत।

गीता में वर्णित ध्यानयोग सार को लिखिए।

- o 0 o -

Unnati Educations
9899436384, 9654279279